रात्री क्लास 7-2-68 ओमशान्ति शिव बाबा याद है?

शिवजयन्ति बच्चे मनाते हैं। कब पूछते भी होंगे तुम ने 31-32 क्यों लिखा है। अगर पूछते हो तो लिखते हैं पूछा फिर इस पर ऐसे समझाया। आजकल झूठ है बहुत सच्च है थोड़ा। बच्चों को विचार सागर मंथन करना चाहिए ऐसी क्या बात समझावें जिससे मनुष्य समझ जायें ब्रह्माकुमारियां सच कहती है हम प्रजापिता ब्रह्मा के सन्तान हैं भाई-बहिन। और शिव बाबा के सन्तान भाई2 हैं। जो भी आवे समझाना चाहिए हम आत्मायें सब शिव बाबा के सन्तान हैं। शरीरधारी हैं तो प्रजापिता ब्रह्मा के सन्तान हैं। इसलिए हम बहिन भाई कहते हैं। पुरुषोत्तम संगम युग पर है ही ब्राह्मण कुल। पहले बताना चाहिए हम सभी आत्मायें अवर्ण हैं। एक एक शिव बाबा के सन्तान शिववंशी हैं। फिर बाप भी निराकार हम भी निराकार। फिर साकार में है प्रजापिता ब्रह्मा। तो ब्रह्माकुमार-कुमारियां बहिन-भाई हुये। बाप ने ब्रह्मा द्वारा परिचय दिया है तब ही समझते हैं हम बहिन-भाई हैं। अभी हम हैं संगमयुगी। वह हैं कलियुगी। ऐसे2 विचार सागर मंथन कर समझाना चाहिए। आत्मायें तो सभी भाई2 हैं। एक ही माशुक है। बाकी सभी हैं आशुक। ऐसे नहीं दो तीन माशुक है। नहीं कायदा नहीं। सब का माशुक एक ही बाप है। और श्रीमत सभी जरूर मुख से देते हैं। बाप है भ्रष्ट से श्रेष्ठ बनानेवाला।

वह परमपिता परमात्मा ही हुआ। तुम समझा सकते हो हम ब्रह्माकुमारियां हैं। तुम भी वास्तव में हो। पुरुषोत्तम संगम युग पर बाप नये सिरे रचने आते हैं। ब्रह्मा द्वारा रचते हैं। पुरानी सु ही नई रचना रची। आत्मायें तो सब नई कोई है नहीं। यह सब पुरानी हैं और अविनाशी है। यह भी समझाया है दो बाप है जिन से वर्सा मिलता है। बुलाते भी है पतित पावन दुःखहर्ता-सुखकर्ता आओ। अभी सभी हैं शूद्र। तमोप्रधान कलियुग। अभी तुम हो संगमयुगी ब्राह्मण। फिर ब्राह्मण ही देवता बनेंगे। विराट रूप भी तुम अच्छी रीत समझा सकते हो। अभी नई दुनिया स्थापन हो रही है। पुरानी दुनिया का विनाश सामने खड़ा है। बुलाते भी है पतित-पावन आओ। वह बाप कहते हैं पवित्र बनो। मामेकंयाद करो। सब को बताओ सब का बाप एक ही है। उनसे वर्सा जरूर चाहिए। बाप को याद करने से तुम तमोप्रधान से सतोप्रधान बन जायेंगे। आजकल करते2 काल आ जायेगा। चार्ट रखना अच्छा है। अगर समझते हो बिगर चार्ट हम सीखा जायेंगे। वह तुम्हारे फर्ज माया इसमें ही विघ्न डालती है। बाकी समझाना है बहुत सहज। अच्छा बच्चों को गुडनाईट। नमस्ते।

पत्र की कापी:-

********** जालन्धर निवासी नूरे रत्नों याद प्यार बाप दादा स्वीकार करना जी। हरेक को टापिक पर भाषण करना है। राय है हरेक टापिक पर दो एक बार रिहर्सल करे तो भाषण फस्ट होंगे। शिव बाबा की महिमा किसकी सदगति दाता है, इसलिए सारे विश्व का सच्चा गुरु है। बाकी तो सभी भक्ति मार्ग दुर्गति के गुरु हैं। उतरती कला है। इस पर अच्छी रीत समझानी डालना। भगवान की भक्तिमार्ग की गीता, और सर्व की सदगति शिव बाबा की राजयोग सिखाने से होती है। इस पाईन्ट पर रोशनी देनी है परमपिता परमात्मा द्वारा सदगति और भक्ति मार्ग की गीता द्वारा दुर्गति कैसे होती है इस पाईन्ट पर अच्छा समझाना है। एरोप्लेन आदि से भी जो पर्चे गिराना है भी मुरली से अच्छी पाईन्ट निकाल लिखनी है। बाबा रोज़ कुछ न कुछ समझाते रहते हैं। हरेक अपने से पूछे हम सतयुगी स्वर्गवासी हैं या कलियुगी नर्कवासी हैं? इत्यादि। यह बाबा भाषण में बोला है। ज्ञान दिन भक्ति रात। सदगति दुर्गति क्लीयर कर बताना है। विनाश काले विपरीत बुधि, और प्रीत बुधि की भी पाईन्ट क्लीयर कर के बताना। कौड़ी और हीरे जैसे वाला पाईन्ट भी समझानी है। हद के बाप से हद के जायदाद और बेहद के बाप से बेहद की जायदाद यह कान्ट्रास्ट क्लीयर कर बताना है। आस्तिक-नास्तिक पर भी समझा सकते हैं। धर्मराज-निर्णय के पर भी। सयाने चतुर तो होही। अब रूहानी सर्विस पर ध्यान, बाबा की लिखावट पर ध्यान। अच्छा सभी बच्चों को याद प्यार देना। ओम।

*-: *****ओमशान्ति: : ******: :-*